शादमान है

Verse 1

A C#m E B
सारे जहाँ में येशु तेरा जुनूँ है छा रहा
A C#m E B
हर जुबाँ पे तू ही तू है दिख रहा
A C#m E B
तेरी दिवानगी में, है जो मज़ा मेरे येशु
A C#m E B
तो काफ़िल–ए–मसीहा यूँ बढ़ता जा रहा

} 2

Pre-chorus

A C#m B A B
तेरी वफ़ा से बढ़कर, कुछ नहीं है बहतर – 2
A F#m B
अब तो जीना है मसीह, मरना है नफ़ा

Chorus

B C#m B C#m A F#m B
शादमान है ये ज़मीन और आसमाँ सितारे भी करते हैं तेरी महिमा बयाँ
B C#m B C#m
तू महरबान है ओ मेरे खुदा
A F#m B E A F#m B E
तो क्यों न करुँ मैं तेरा शुक्रिया सदा मैं करता रहूँगा तेरा शुक्रिया सदा – 2

Verse 2

कोई न कर सकेगा वो जो तूने है कर दिया
मुझे ये ज़िन्दगी दी खुद को कर ज़बह
मौत को हराया ज़िन्दा हुआ जब मुर्दों से
बढ़ती रहेगी तेरी सलतनत सदा

Words and music by Sharad Simon.